हालात बेकाबू हो गये हैं। विशेषकर महाराष्ट्र में बिजली की कटौती के कारण कानून व्यवस्था भी बिगड़ रही है। कुछ दिनों के अंदर अहमदनगर, कोल्हापुर सहित कई इलाकों में तोड़-फोड़ हो चुकी है। कई इलाकों में 16-16 घंटों तक बिजली गायब रहती है। मैं इस सदन के माध्यम से मांग करता हूं कि बिजली की मांग के अनुरूप सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए कार्य योजना तैयार करें और विद्युत उत्पादन बढ़ाने के लिए केन्द्र सरकार प्रभावी कदम उठाये। धन्यवाद।

†[ابو عاصم اعظمی ''اتر پردیش'' : آپ سبھاپتی مہودے، ورتمان آدھونک یگ میں اُرجا (بجلی) انیوارئے آوشیکتا بن گئی ہے، پرنتو وِگت کئی سالوں سے بجلی کی بڑھتی مانگ کے انوروپ لوگوں کو بجلی کی سپلائی نہیں ہونے سے جنتا میں آکروش اور شوبھ ویاپت ہے۔ بجلی کی سپلائی میں روکاوٹوں کے کارن ادھیوگ دھندے بند ہو رہے ہیں، پربھاوِت ہو رہے ہیں۔ چھوٹے ادھیوگ دھندے بجلی کی سپلائی نہیں ہونے کے کارن آج ختم ہوتے جا رہے ہیں۔ بجلی کی کمی کے کارن مزدوروں، بنکروں، جولاہوں، کارخانوں اور لگھو اُدھیوگوں میں کام کرنے والے مزدوروں کو برابر کام نہیں مل پا رہا ہے، جس سے دیش میں بھکمری اور بے روزگاری بھی بڑھی ہے۔ اور دیش کی ارتھ ویوستھا بھی پربھاوِت ہو رہی ہے۔ گرمی کے موسم میں کئی راجیوں، مہاراشٹر، مدھیہ پردیش، راجستھان، بہار میں حالات بے قابو ہو گئے ہیں خاص کر مہاراشٹر میں بجلی کی کٹوتی کے کارن قانون ویوستھا بھی بگڑ رہی ہے۔ کچھ دنوں کے اندر احمد نگر، کولہاپور سہت کئی علاقوں میں توڑ پھوڑ ہو چکی ہے۔ کئی علاقوں میں ۱۶-۱۶ گھنٹوں تک بجلی غائب رہتی ہے۔ میں اس سدن کے مادھیم سے مانگ کرتا ہوں کہ بجلی کی مانگ کے انوروپ سپلائی سنشچت کرنے کے لئے کارئے یوجنا تیار کرائیں اور ودھت اتپادن بڑھانے کے لئے کیندر سرکار پربھاوی قدم اٹھائے۔ دھنیواد۔

''ختم شد'']

श्री विजय सिंह यादव (बिहार): उपसभापति महोदय, मैं अपने आपको इससे संबद्ध करता हूं।

MR. CHAIRMAN: Shri Sk. Khabir Uddin Ahmed. He is absent. Mangani Lal Mandal.

Concern over the likely damage due to floods in Bihar in the coming monsoon

श्री मंगनी लाल मंडल (बिहार): उपसभापति महोदय, बिहार में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी आने वाली बाढ़ के संभावित खतरे और इससे होने वाली क्षति को ध्यान में रखते हुए, इस

†[ ] Transliteration in Urdu Script.

संबंध में बचाव व प्रतिरोध तथा सुरक्षा के उपाय और प्रबंधन में शिथिलता देखी जा रही है। तटबंधों की मरम्मती और इसमें सम्पोषण का कार्य युद्धस्तर पर करने की आवश्यकता है। अक्सर यह देखा गया है कि बाढ़ की विभीषिका के क्षण में बाढ़ पीड़ितों को बचाने के लिए स्वचालित नाव का अभाव रहता है तथा लकड़ी की अपर्याप्त नाव पर ही निर्भर रहने से जान-माल की अपार क्षति को रोकने और निर्मूल करने में सरकार और स्थानीय प्रशासन को अत्याधिक कठिनाइयों और मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार को शीघ्र आवश्यक व्यवस्था और तैयारी करनी चाहिए, जिसमें पूर्ण तत्परता नहीं देखी जा रही है। बाढ़ के समय में सूचना और संचार तंत्र के साथ-साथ आवागमन और यातायात पूर्ण रूप से हर वर्ष ध्वस्त हो जाता है। इस वर्ष आने वाली बाढ़ में इस बात की पुनारवृत्ति न हो, इसके निमित्त सरकार को सुनिश्चित व्यवस्था करनी होगी। झंझारपुर के पास पूर्वी तथा पश्चिमी कमला तटबंध हर वर्ष टूट जाता है। इस वर्ष भी इसकी संभवना को नकारा नहीं जा सकता है। फुलपरास के निकट भूतही बलान तटबंध का पूर्वी भाग निर्मित हो जाने से पश्चिमी तटबंध पर बाढ़ के पानी का दबाव, इस वर्ष अनुमान से अधिक बढ़ेगा और इससे जलस्तर भी ऊंचा उठेगा जिसके चलते फुलपरास और गोरगामा गांव के साथ-साथ कई गांवों को बाढ़ की भयंकर प्रलय लीला की चपेट में आने की प्रबल संभावना बढ़ गई है, क्योंकि फुलपरास और गोरगामा में पश्चिमी तटबंध की मरम्मत आज तक नहीं हो पायी है। फलत: तटबंध इस वर्ष बाढ़ की मार को झेल नहीं पायेगा। अत: इसकी व्यवस्था युद्धस्तर पर सुनिश्चित कराई जाये। धन्यवाद।

श्री विजय सिंह यादव (बिहार): उपसभापति महोदय, मैं अपने आपको इससे संबद्ध करता हूं।

श्री राजीव शुक्ल (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय, मैं एक बात आपके संज्ञान में लाना चाहता हूं कि एनडीए का बायकॉट चल रहा है, लेकिन बाहर मैंने रजिस्टर में देखा कि दारा सिंह चौहान, जो बीजेपी के सदस्य हैं, उनके दस्तखत उसमें हैं। बायकॉट भी हो रहा है और दस्तखत भी हैं! यानी पांच सौ रुपए ले रहे हैं, सैलरी ले रहे हैं और बायकॉट भी कर रहे हैं! यह तो बहुत गलत है। यह आपत्तिजतक है। कायदे से अगर देखा जाए तो यह उचित बात नहीं है।...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: मंत्री जी, आप शुरू कीजिए ...(**व्यवधान**).. नारायणसामी जी, आप रूल जानते हैं। ...(**व्यवधान**)..

श्री राजीव शुक्ल: बाहर से दस्तखत करके चले जाते हैं। ..(**व्यवधान**)...

श्रीमती अम्बिका सोनी (पंजाब): सर, इस पर क्लैरीफिकेशन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा है कि वे बहिष्कार कर रहे हैं, जनता के पैसे भी ले रहे हैं और जनता का पैसा भी बर्बाद कर रहे हैं। ये दोनों चीजें नहीं हो सकती।

श्री उपसभापति: चेयर से इसका संबंध नहीं है। ...(**व्यवधान**)..

श्री राजीव शुक्ल: सर, यह गलत बात है न। ...(**व्यवधान**)..यह बड़ी गंभीर बात है। ...(**व्यवधान**)..यह तो गलत बात है कि दस्तखत भी करो, पैसे भी लो और उसके बाद बहिष्कार भी करो।...(**व्यवधान**)..

श्री वी॰ हनुमंत राव (आन्ध्र प्रदेश): सर, दस्तखत भी कर रहे हैं ओर बाहर सैंट्रल हाल में खाना भी खा रहे हैं।...(व्यवधान)...

श्री राजीव शुक्ल: सैंट्रल हॉल में खाना बेशक खा लें लेकिन यहां दस्तखत करके हाउस में नहीं आ रहे और बायकॉट भी कर रहे हैं।...(**व्यवधान**)..

श्री विद्या सागर निषाद (बिहार): उपसभापति महोदय ...(**व्यवधान**)..

श्री उपसभापति: अब आप बैठिए प्लीज़।...(**व्यवधान**)..

श्री विद्या सागर निषाद: यह कैसे माना जाएगा कि वे बहिष्कार किए हुए हैं इससे तो यह साबित होता है कि वे देश को ...(**व्यवधान**)..

श्री उपसभापति: आप बैठिए।...(**व्यवधान**).. ऐसे नहीं चलेगा। आप बोलिए मंत्री जी।

GOVERNMENT BILL

The Coastal Aquaculture Authority Bill, 2004

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND THE MINISTER OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI SHARAD PAWAR): Sir, I beg to move:

"That the Bill to provide for the establishment of a Coastal Aquaculture Authority for regulating the activities connected with coastal aquaculture in the coastal areas and for matters connected therewith or incidental thereto, be taken into consideration."

महोदय, यह एक छोटा बिल है मगर खास तौर पर सागर के किनारे वाले जो लोग हैं और ऐक्वाकल्चर की लाइन में हैं, उनके लिए तथा देश के ऐक्सपोर्ट के लिए बहुत महत्वपूर्ण बिल है। देश के सागर के किनारों पर, खास तौर पर ईस्टर्न कोस्ट पर और उसमें भी ज्यादातर आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, ऐसे राज्यों में ऐक्वाकल्चर फार्म के माध्यम से shrimps का उत्पादन बड़े पैमाने पर होता है। पिछले साल देश का इस क्षेत्र का ऐक्सपोर्ट 6000 करोड़ का है और इस 6000 करोड़ में 80 प्रतिशत ऐक्सपोर्ट shrimps का ऐक्सपोर्ट है, जिसके माध्यम से रोजगार भी बहुत पैदा होता है और देश को कीमती फॉरेन ऐक्सचेंज भी मिलता है। हमारे देश में टोटल कोस्टल एरिया में जहां ऐक्वाकल्चर कर सकते हैं, ऐसा क्षेत्र 12 लाख हैक्टेयर के आस-पास है और आज तक इनमें से सिर्फ 14 प्रतिशत क्षेत्र इस काम के लिए इस्तेमाल होता है, बाकी क्षेत्र का अभी तक हम लोगों ने इस्तेमाल नहीं किया है क्योंकि बीच में सुप्रीम कोर्ट ने कुछ ऐसे डिसीजन ले लिए,